ऐमिटी दर्पण

फरवरी - मार्च

विशेष आकर्षण

- बच्चों के लेख
- स्वरचित कविताएँ
- प्रेरक कहानियाँ
- पुस्तक समीक्षा
- फिल्म समीक्षा
- चित्रशाला
- विशेष प्रार्थना सभाएँ
- उपलब्धियाँ

"लगन और मेहनत से हर असम्भव काम को संभव किया जा सकता है ।।"

"हर सुबह नयी उम्मीद और नया मौका देती है।"

प्यारे बच्चों ,

वर्तमान में चल रही बोर्ड परीक्षाओं के लिए सबसे पहले, मैं दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देती हूँ।

4 मार्च 2024 से कक्षा दसवीं और बाहरवीं का तथा 13 मार्च 2024 से कक्षा पहली से नवीं तक के छात्रों का नया सत्र शुरू हो रहा है तो "नई शुरुआत क्यों ना कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ की जाए।" वास्तव में, छात्र स्कूल में न केवल बुनियादी शिक्षा की मूल बातें सीखते हैं, बल्कि यहीं पर वे महत्वपूर्ण सोच और अंतर-वैयक्तिक जैसे मुख्य जीवन कौशल का निर्माण करते हैं।

विद्यालय में सभी विद्यार्थियों में सामूहिक रूप से काम करने के साथ साथ अच्छे मूल्यों और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को आत्मसात करने का कौशल भी उत्पन्न होता है । ऐमिटी में हमारे माननीय संस्थापक महोदय डॉ अशोक कुमार चौहान सर और अध्यक्षा महोदया डॉ अमिता चौहान जी ने पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे को हमेशा सर्वोत्तम सुविधाएँ प्रदान करते हैं। । उनके कुशल मार्गदर्शन में, ऐमिटी निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है और यहाँ पढ़ने वाले बच्चे निरंतर आसमान की बुलंदियों को छू रहे हैं। ऐमिटी के ये बच्चे उच्च शिक्षा के लिए विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं और बड़े- बड़े डॉक्टर इंजीनियर बन कर देश और स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं। सत्र 21-22 के अभिनव गौतम और नैना श्रीवास्तव मौलाना आज़ाद मेडिकल कालेज में मेडिकल की पढाई कर रहे हैं। इस वर्ष बारहवीं के एक होनहार छात्र ईप्सित ने जेईई की मुख्य परीक्षा में 100 परसेंटाइल प्राप्त की।

आशा के साथ मुझे यह विश्वास भी है कि आप मेरी कही बातों को जीवन में अपनाएँगे और देश के एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे साथ ही अपना जीवन उन्नत बनाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे।

भविष्य के प्रयासों के लिए मेरा आशीर्वाद और मार्गदर्शन सदा तुम्हारे साथ है।

प्रधानाचार्या

मीनू कँवर

EDITORIAL TEAM

संपादक- पूनम त्यागी

संयोजक - श्रद्धा श्रीवास्तव एवं स्मिता श्रीवास्तव

सह -संयोजक -दीपक कुमार

बच्चों के लेख

लडकियों की शिक्षा

समाज में लड़कियों की शिक्षा अत्यंत अनिवार्य है। लड़कियों की शिक्षा से समाज में उन्नति और प्रगति होगी। अगर एक लड़की को अच्छी शिक्षा प्राप्त होगी तो वह आत्मनिर्भर बनेगी और समाज में अपनी शिक्षा का प्रयोग कर और लोगों को भी शिक्षित करेगी। अगर लड़कियाँ शिक्षित होगी तो उन्हें जीवन में सफलता मिलेगी और एक अच्छा परिवार और एक अच्छी नौकरी भी मिलेगी। लड़कियों को भविष्य में किसी के सामने झुकना नहीं होगा और वे शिक्षा का महत्त्व अपने आगे की पीढ़ियों को भी बताएँगी। देश की उन्नति और तरक्की में भी लड़कियों का सहयोग होगा और देश का विकास होगा। हमें लोगों को लड़कियों की शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा और परिवारों को अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए प्रेरित करना होगा।

सौरावी X-C

नारी का संघर्ष

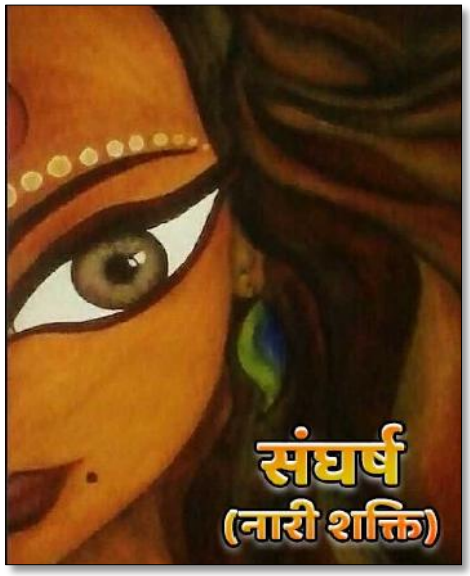

एक गाँव में रेखा का नाम की एक युवती रहती थीं। उसके घर वाले उससे घर के सारे काम करवाते थे उन्होंने उसकी आगे की शिक्षा भी रोक दी थी। रेखा को पढ़ाई लिखाई का बहुत शौक था । किन्तु अगर रेखा को उसके पिता पढाई करते हुए देखते तो वो उसे कुछ काम करने को कह देते या बहुत डाँटते। रेखा ने अपनी छत पर छुप छुप कर पढ़ने की ठानी । उसने निश्चय किया कि पढ़ाई कर के एक अच्छी डिग्री लेकर वह एक सफल अध्यापिका बनेगी। दो साल बाद उसे एक विद्यालय में नौकरी मिल गई। फिर उसने अपने माता -पिता को समझाया तो उन दोनों को अपनी गलती का एहसास हुआ। रेखा एक अध्यापिका बन गई और अपने गाँव के बच्चों को वह शिक्षा का महत्त्व समझाती थी।

ख़ुशी सिन्हा, X-C

स्वरचित कविताएँ

माँ

माँ ने बनाया मुझे, माँ ने सँवारा मुझे ,

माँ का सहारा मुझे, माँ ने दुलारा मुझे ।

माँ का ही अंश हूँ ,माँ का ही वंश हूँ ।

माँ ने सहलाया मुझे ,माँ ने चलाया मुझे ।

रातों को जगी थी वो ,मेरे पीछे भागी थी वो,

मुझसे पहले ना खाती थी वो,मेरे बिन ना कहीं जाती थी वो ।

माँ की मुस्कान है मुझसे ,माँ के रहते न कोई नुकसान है मुझको ,

माँ की ममता का ना कोई मोल है ,माँ जीवन में सबसे अनमोल है ।

माँ का दिल न दुखाना कभी ,चाहे पीछे छूट **जाएँ जिंदगी में सभी।।**

समृद्धि, 9-D

ईश्वर उनके संग हैं..... –

वे जो धर्म का साथ दें

और बुराई का विनाश करें

ईश्वर उनके संग हैं,

उनकी साधना का ना कोई भंग है।

वे जो इस रहस्य को समझते हैं,

और जीवन में धारण करते हैं,

उनकी जिंदगी का मधुर सफर है,

फिर उनकी जय-अजय सब सफल है।

सिया भागी, 9-B

आशाओं से भरे बादल

टूटते बिखरते हैं , जैसे कि कोई बादल

जब बिखरने से लगते हैं हर -पल

तब आशाओं से भरे बादल लाते हैं

नव जीवन का संचार |

कहते हैं इस टूटे हुए हुए मन से

तो फिर देखना प्रारंभ करो इन ख्वाबों को

विस्तार करो अपनी आशाओं का ।

आओ बनाए एक नया सवेरा

बस अब ना बिखरेंगे ये आशा रुपी बादल।

समेट इन्हें आगे मैं बढ़ूँगी

देखूँगी एक नया सवेरा |

चारु कक्षा, 8-A

प्रेरक कहानियाँ

खोदा पहाड़ और निकली चुहिया

एक समय की बात हैं कि किसी दूर गाँव में रोहन नाम का एक बहुत ही नेक दिल आदमी अपने घर मे अकेले रहा करता था| उसके माँ-बाप की एक बीमारी के कारण मौत हो गई थी | रोहन बहुत अकेला महसूस करने लगा था | वह जिस घर में रहता था उस घर के सामने एक घर में दो बुजुर्ग लोग रहते थे | उनके बेटा और बहु उन्हें छोड़ कर चले गए थे| रोहन उनकी काफी इज्ज़त करता था| अक्सर जब रोहन अपना काम करके दफ्तर से लौटता तो अंकल आंटी के घर जाकर उनके हाल चाल पूछने चला जाता था | रोहन को उन लोगों में अपने माता पिता दिखते थे, और उनको रोहन में अपना बेटा | एक दिन रोहन जब अपने दफ्तर से वापिस आया तो उसने सोचा कि एक बार अंकल आंटी के घर जाकर उनसे हाल चाल पूछकर आया जाए | असल में रोहन को उनसे और उन्हें रोहन से बात करना बहुत पसंद था | तो रोहन उनके घर जाने के लिए तैयार हुआ और अपने घर को बंद करके वह उनके घर के लिए चल गया | परंतु उसे क्या पता था कि आज जो उसके साथ होगा उसे वह ज़िंदगी भर नहीं भूल पाएगा | जब रोहन अंकल के घर जाकर उनके घर की घंटी बजाता है तो कोई दरवाजा नहीं खोलता , रोहन फिर घंटी बजाता हैं परंतु फिर उसे कोई उत्तर नहीं मिलता, परंतु उसे अचानक घर के अंदर से कुछ आवाज़ें सुनाई देती हैं | जिसे सुनकर उसे कुछ अजीब सा महसूस होता हैं फिर वह दरवाजे को खोलने की कोशिश करता है पर वह पता है कि दरवाजा तो पहले से ही खुला हुआ है. अब वह और भी घबरा जाता है और जैसे ही वह घर के अंदर जाने के लिए आगे बढ़ता है तो उसे फिर से उसे कुछ आवाज सुनाई देती है | पर इस बार उसे ये आवाज रसोईघर से आ रही थी | जब वह घर के अंदर गया तो उसने किसी को अपना नाम पुकारते हुए सुना जिसे सुनकर वह डर गया क्योंकि उसने जब अपने आस पास देखा तो कोई भी नहीं था अब धीरे धीरे उसके दिल में डर ने अपना बसेरा बना लिया था | जैसे ही वह अपने घर जाने के लिए कदम पीछे लेता है तो उसे याद आता है कि अंकल और आंटी उसे कहीं नहीं दिखे और उनके घर का सारा सामान बिखरा हुआ था | वह वहीं पर रुक जाता हैं और हिम्मत करके घर के अंदर वापिस जाता है | परंतु अब उसे यह आवाज और साफ साफ सुनाई देने लगी | आसपास पूरी शांति होने के कारण थोड़ी सी भी आवाज साफ साफ सुनाई देती है अब उसे इस आवाज के साथ इस रात के सन्नाटे में कदमों की आवाज सुनाई देती है और वो कदमों की आवाज उसके पास ही आ रही थी | वे डर के मारे पास मे ही पड़े एक बक्से में जाकर छिप प गया | और वहीं पर बेहोश हो गया | धीरे धीरे समाय बीता और सुबह हो गई | जब सुबह उसके मुँह पर किसी ने पानी के छींटे मारे तो जाकर उसे कुछ होश आया | जैसे ही उसने अपना होश संभाल तो उसने देखा कि उसके पास अंकल खड़े है | अंकल को देख कर वह अंकल से पूछता हैं कि अंकल कल रात आप कहाँ थे?, आप ठीक तो हैं ? आंटी कैसी हैं ?| रोहन को इतना परेशान देखकर वे उसे शांत करते हैं और उससे पूछते हैं कि तुम इतने परेशान क्यों लग रहे हो ? रोहन सारी बात अंकल को बताता हैं और अंकल ये सुनकर हँसने लग जाते हैं जिसे देखकर रोहन के मन मे सवाल आते हैं जिनका उत्तर अंकल देते हैं। अंकल बोलते हैं कि कल रात मुझे उसी से मिलने के लिए बाहर जाना था किन्तु सारा समान बिखरा दिया था और मैं घर को बंद करना भूल गया था और उसे ही बंद करने आया था। तुम मुझे दिखे और मैं तुम्हें बुलाने आया पर तुम कहीं गायब हो गए फिर जब सुबह मैंने देखा तो तुम मुझे यहाँ मिले | ये सुनकर तो रोहन भी हँसने लगा |

पश्चाताप

एक गॉव में रोहन नाम का लड़का रहता था । उसके पिता उससे करते थे। परंतु रोहन अपने पिताजी के बहुत प्यार से कही हर बात को अनसुनी कर देता था। अगर उसके पिताजी उससे कुछ मदद मांग ले या कोई काम करने को कहते तब वो गुस्सा हो जाता था। एक दिन उसके पिताजी की तबीयत खराब हो गई। रोहन ने अपने पिताजी को दवाई भी नहीं दी थी। जब पिताजी ने रोहन को अस्पताल ले जाने को कहा तब वह आगबबूला हो उठा। रोहन अपने पिताजी को उनकी हालत पर छोड़ कर अपने मित्रों के साथ चल पड़ा। शाम को जब वह घर आया ती दंग रह गया।

उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी। उसके पिता को कैंसर की अंतिम स्टेज पर थे। उन्होंने रोहन को इस बारे में कुछ नहीं बताया था। पिताजी को खोने पर रोहन को झटका लगा। उसे अपनी सारी गलतियों का एहसास हुआ। वह जिंदगी भर पश्चाताप की अग्नि में जलता रहा और जिंदगी भर खुद को कोसता रहा ।

सावित्रीबाई फुले - मेरी आदर्श

मेरी आदर्श, किसान परिवार में जन्मी भारत की पहली महिला अध्यापिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले हैं, जिन्होंने अपने विचारों से सामाजिक क्रांति की लो जलाई और कार्यों से दमनकारी धारणाओं, रूढ़िवादी विचारधाराओं को चुनौती दी।

सहा जिन्होंने कीचड़, गोबर, पथ्थरों की मार को

उतारना चाहा समाज में पिछड़ी सोच के भार को

मैंने उनके जीवन से जो मूल्य सीखे हैं उनमे सबसे पहले उनकी निडरता है, हमें सभी बाधाओं के बावजूद, उचित के लिए डटे रहना चाहिए। दूसरा हमें केवल अपने कल्याण के लिए नहीं, बल्कि पूरे समुदायों, विशेष रूप से वंचितों के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। तीसरा, हमें गहरी जड़ें जमा चुकी रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को चुनौती देनी चाहिए, जिन्होंने महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के विकास को अवरुद्ध किया है। भारत जैसे प्रगतिशील राष्ट्र के लिए यह अत्यंत घातक है अन्यथा विकास समावेशी के बजाय विशिष्ट होगा। मेरे लिए उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देना और हमारे आसपास, समुदायों में विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने की दिशा में काम करना है। उनकी जीवन भर शिक्षार्थी बने रहने की बात बहुत प्रेरणादायी है क्योंकि उन्होंने जीवनभर शैक्षिक सशक्तिकरण पर बल दिया व् प्रगतिशील राष्ट्र के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना।

आओ नमन करे उस सावित्री को, जिसने समाज में शिक्षा की ज्योत जलाई

किया खुद को शिक्षित पहले और बताया फिर समाज को कितनी जरूरी है स्त्रियों के लिए पढाई

यदि भारत की धरती सावित्रीबाई फुले जैसे महान समाज सुधारकों से वंचित होती तो इसरो के अंतरिक्ष मिशनों की सफलताओं का क्या भाग्य होता, जिसका जश्न पूरा भारत और विश्व मना रहा है, जहां पर महिला वैज्ञानिकों का योगदान पुरुष समकक्षों की संख्या से अधिक था।

पुस्तक समीक्षा (जीत आपकी)

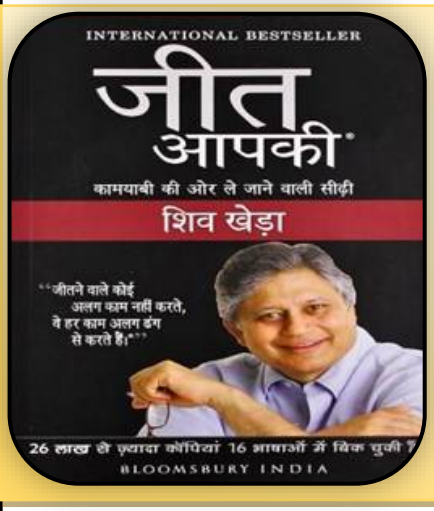

मशहूर लेखक शिव खेड़ा दवारा लिखी गई इस किताब का सन्देश है कि आपका खुद पर भरोसा ही यह तय करेगा कि आप कैसा महसूस करते हैं? कैसा सोचते हैं और अपनी ज़िंदगी में क्या करते हैं? अपने जीवन में कुछ भी हासिल करने का सीधा नाता आपकी सोच से है। अगर आप अच्छा सोचेंगे तो जीवन में सकारात्मक परिणाम ही हासिल करेंगे। "जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते, वे हर काम अलग ढंग से करते हैं " यही इस किताब का मुख्य सन्देश है। इस किताब को साधारण और हास्यपूर्ण शब्दों में लिखा गया है। यदि जीवन में कामयाबी पाना ही आपका लक्ष्य है, तो आप इस किताब को **ज़रूर पढ़ें।**

पलक , 8-A

फिल्म समीक्षा "१२वीं फेल"

"१२वीं फेल" एक दिलचस्प और प्रेरणादायक मूवी है जो आई पी एस मनोज कुमार शर्मा के जीवन के अजीवन संघर्षों और विजयों को एक रूपरेखा में प्रस्तुत करती है। इसे विधु विनोद चोपड़ा ने निर्देशित किया है, और मुख्य भूमिका में विक्रांत मस्सी ने एक उदाहरणीय प्रदर्शन किया है। मूवी की कहानी एक छात्र के जीवन पर आधारित है, जो जीवन भर परीक्षा में नकल करता आता रहा है। हालांकि, जब उसके गांव में एक नए पुलिस अफसर का स्थानांतरण होता है, उसके विद्यालय में सभी छात्र परीक्षा में फेल हो जाते हैं। इसके पश्चात्, उच्चतम शिक्षा की कमी के बावजूद, मनोज फिर भी अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ पुनः परीक्षा देता है और बिना नकल के पास होता है। इसके बाद भी, उसकी आर्थिक अवस्था कमजोर होने के बावजूद भी वह निराश नहीं हुआ और दिल्ली जाकर UPSC की तैयारी करने का निर्णय लेता है। उसकी आर्थिक स्थिति की कमी के कारण, वह कई वर्षों तक पुस्तकालय और चक्की में काम करता है, लेकिन वह निरंतर मेहनत और संघर्ष करता रहा और कभी हार नहीं मानी ।

जीवन के इस संघर्षपूर्ण सफर के बाद, मनोज अपने आखरी आत्म-प्रयास में UPSC के इंटरव्यू में सफलता प्राप्त करता है और IPS अफसर के पद पर उसका चयन होता है।

"१२वी फेल" नामक इस मूवी में दर्शकों को जीवन में मुश्किलों का सामना करने और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किए गए संघर्ष को महसूस करने का मौका मिलता है। मनोज कुमार शर्मा की प्रेरणादायक कहानी दर्शकों को उत्साहित करती है और उन्हें यह सिखाती है कि आत्मविश्वास, मेहनतऔर निरंतर संघर्ष से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पोषिका गोयल 8-A

चित्रशाला

पार्थ रस्तोगी 9-B

समृद्धि जैन 9-D

उपलब्धियाँ

एकीकृत साइबर ओलंपियाड पर रिपोर्ट

स्थान: एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार, दिल्ली

दिनांक: 4.10.2023, परिणाम घोषित: 26.01.2024

दिल्ली के मयूर विहार में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल ने 4.10.2023 को कक्षा VI-IX के छात्रों के लिए यूनिफाइड साइबर ओलंपियाड की मेजबानी की। कुल 46 छात्रों ने भाग लिया और 11 छात्रों ने राष्ट्रीय, जोन और कक्षा स्तर पर रैंक हासिल की।

यूनिफाइड साइबर ओलंपियाड (यूसीओ), निम्नलिखित लक्ष्यों के साथ दुनिया भर में आयोजित किया जाता है:

- कंप्यूटर शिक्षा को सुव्यवस्थित करना
- कंप्यूटर शिक्षा में प्रतिस्पर्धात्मकता पैदा करना
- सीखने की प्रक्रिया में तर्क, तर्क और मानसिक क्षमता को शामिल करना
- प्रतिभा की पहचान करना और राष्ट्रव्यापी मंच पर छात्रों का मूल्यांकन करना
- छात्रों को कंप्यूटर में नवीनतम तकनीक और अध्ययन से परिचित कराना

पुरस्कार प्राप्त करने वाले छात्र निम्नलिखित हैं:

राष्ट्रीय रैंक धारक:

क्र.सं. नाम कक्षा उपलब्धि और पुरस्कार

1 रूद्र कुमार IX राष्ट्रीय रैंक 21

2 आश्रित दास IX राष्ट्रीय रैंक 74

3 सिया भागी IX राष्ट्रीय रैंक 81

4 अर्जुन मलिक IX राष्ट्रीय रैंक 83

पदक, प्रमाणपत्र, पुस्तक पुरस्कार, मूल्य रु. 1998/- ओलंपियाड पाठ्यक्रम की ऑनलाइन सदस्यता

जोन रैंक धारक:

1 श्रेया सिंह(VI) रैंक 2 ,2 समृद्धि जैन(IX) रैंक 2 , 3 निशिता अग्रवाल ,(VII) रैंक 3 , 4 सिद्धार्थ चटर्जी(VIII) रैंक 3

मेडल, सर्टिफिकेट, ओलंपियाड कोर्स की ऑनलाइन सदस्यता

कक्षा रैंक धारक:

1 अथर्व छाबड़ा (VI) द्वितीय रैंकर , 2 जयांशु सरदाना (VI) तृतीय रैंक, 3 प्रांशुल मरवाहा (VIII द्वितीय रैंकर

पदक, प्रमाणपत्र

यूसीओ बच्चों को मानसिक क्षमता, तार्किक तर्क और कंप्यूटर ज्ञान का उपयोग करने के अपने ज्ञान को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है। इन क्षेत्रों में दक्षता से उन्हें सॉफ्टवेयर, प्रबंधन संकट, निर्णय की कमी और निर्णय लेने से संबंधित समस्याओं पर काबू पाने में मदद मिलती है। यूको राष्ट्रीय रैंक धारकों को गणतंत्र दिवस सभा में आदरणीय प्रिंसिपल महोदया और समन्वयकों द्वारा सम्मानित किया गया।

खेलों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में अन्तर्विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया।

पुरस्कार वितरण समारोह 01 फरवरी, 24 को स्कूल सभागार में आयोजित किया गया था। इसकी शुरुआत खेल भावना और टीम वर्क के महत्त्व पर प्रकाश डालने से हुई।

बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों में कक्षा VI से VIII तक की अंतर सदन खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह का समापन प्रिंसिपल सुश्री मीनू कंवर जी के प्रोत्साहन भरे शब्दों ने छात्रों में उत्साह भर दिया गया।

मेंटल मैथ्स क्विज़ प्रतियोगिता

सत्र 2023-2024 के लिए प्रतिष्ठित इंटर एमिटी मेंटल मैथ्स क्विज़ प्रतियोगिता 16.1.24 से 18.1.24 तक आयोजित की गई थी। इसमें एमिटी इंटरनेशनल स्कूलों और ग्लोबल स्कूलों ने भाग लिया।
प्रतियोगिता कक्षा 1 से 10 तक के लिए थी जिसमें 2 राउंड शामिल थे: एमएस फॉर्म पर एलिमिनेशन राउंड और फाइनल पीपीटी राउंड।
सभी 17 स्कूलों के लिए एलिमिनेशन राउंड आयोजित किया गया, जिनमें से 5 स्कूल फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई हुए।
प्रतियोगिता के प्रत्येक दौर, प्रत्येक प्रश्न और प्रत्येक क्षण में प्रत्येक प्रतिभागी की गणितीय, विश्लेषणात्मक और तार्किक तर्क क्षमता का परीक्षण किया गया।

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार ने कक्षा 8 के लिए क्विज़ की सफलतापूर्वक मेजबानी की।

सबसे ज्यादा स्थान एमिटी मयूर विहार को मिले।
अंतिम परिणाम इस प्रकार हैं:

बज़िंगा, विज्ञान प्रश्नोत्तरी (11वाँ संस्करण)

विज्ञान प्रश्नोत्तरी बज़िंगा के 11वें संस्करण की मेजबानी 11 जनवरी को एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार द्वारा की गई थी। यह एक वार्षिक इंटरस्कूल कार्यक्रम था और इसमें 31 स्कूलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रारंभिक दौर से हुई जहां प्रतिभागियों से 6 राउंड में प्रश्नोत्तरी की गई। कक्षा 9 के छात्रों ने भाग लिया और अपने प्रभावशाली वैज्ञानिक स्वभाव का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता कड़ी थी, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कठोर दौरों की एक श्रृंखला के बाद, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों का चयन किया गया, और अंतिम प्रदर्शन के लिए मैदान को पाँच स्कूलों तक सीमित कर दिया गया। अंतिम कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले एक बेज़िंगा वीडियो दिखाया गया जिसमें वर्षों से बेज़िंगा की यात्रा को दर्शाया गया। माननीय अध्यक्षा महोदया और सम्मानित मुख्य अतिथि डॉ. पार्थसारथी सर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। क्वालीफाइंग राउंड के परिणामों की घोषणा और विशाखा गर्ग मैम द्वारा नियमों की व्याख्या के बाद अंतिम प्रश्नोत्तरी शुरू हुई। प्रतिभागियों की वैचारिक

इंटर-हाउस प्रतियोगिता

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार बुधवार, 21.02.2024 को स्कूल सभागार में कक्षा I-IV के छात्रों ने इंटर-हाउस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहाँ छात्रों ने दुनिया में हुई महत्वपूर्ण खोजों और आविष्कारों को प्रस्तुत करने के लिए अपने घरों का प्रतिनिधित्व किया और इतिहास रचा। यह कार्यक्रम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं की एक दिलचस्प प्रस्तुति थी। छात्रों ने इन घटनाओं का मंचन किया, जिससे आज इंसानों के जीने के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं।

प्राथमिक विंग समन्वयक, सुश्री जसलीना कोहली ने छात्रों से 'सेरेन्डिपिटी' (नसीब)शब्द के अर्थ और प्रासंगिकता के बारे में बात की और वैज्ञानिक विकास के इतिहास के बारे में जानना क्यों महत्त्वपूर्ण है।इस प्रतियोगिता का परिणाम :

प्रथम पुरस्कार: पवनी हाउस , द्वितीय पुरस्कार: भागीरथी हाउस

तृतीय पुरस्कार: मंदाकिनी हाउस

इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति के बारे में दिलचस्प तथ्य जानने को मिले। हमारी प्राइमरी विंग को -ऑर्डिनेटर, सुश्री जसलीना कोहली, और जज सुश्री सुप्रीत, सुश्री सुकृति और सुश्री सुनीता चोपड़ा (इवेंट को-ऑर्डिनेटर) ने कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्रों और शिक्षकों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। .

विशेष

परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार में 19 जनवरी 2024 इंटरैक्ट सोसाइटी द्वारा मिडिल विंग के छात्रों के लिए परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जहां उन्हें परीक्षा से संबंधित तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए रणनीतियों की व्यापक खोज प्रदान की गई। कार्यशाला में तनाव को समझने, शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव और परीक्षा तनाव के कारणों सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई।

सत्र में परीक्षा की तैयारी के दौरान रणनीतियों पर जोर दिया गया, जैसे प्रभावी समय प्रबंधन, लक्ष्य-निर्धारण और यथार्थवादी अध्ययन कार्यक्रम बनाना। परीक्षण लेने की रणनीतियों, जिसमें विश्राम तकनीक, दिमागीपन और रणनीतिक समय आवंटन शामिल थे, पर प्रकाश डाला गया। पर्याप्त नींद, संतुलित पोषण, जलयोजन और नियमित व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया।

परीक्षा तनाव प्रबंधन सेमिनार के दौरान छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने प्रस्तुति की गहराई और समृद्धि को काफी बढ़ा दिया। सत्र की संवादात्मक प्रकृति ने छात्रों को परीक्षा के तनाव के प्रबंधन से संबंधित अपने व्यक्तिगत अनुभवों, रणनीतियों और सुझावों को साझा करके सक्रिय रूप से चर्चा में शामिल होने की अनुमति दी।

गहरी साँस लेने के व्यायाम, प्रगतिशील मांसपेशी छूट और सकारात्मक पुष्टि के साथ दृश्य सहित मन-शरीर तकनीकों पर भी तनाव कम करने के लिए मूल्यवान उपकरण के रूप में चर्चा की गई।

कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को परीक्षा के तनाव से सफलतापूर्वक निपटने के लिए लचीलेपन, आत्मविश्वास और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ सशक्त बनाना है।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक सभाका आयोजन

गुरुवार 25 जनवरी 2024 को एआईएसएमवी में छात्रों द्वारा 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विशेष सामूहिक सभा आयोजित की गई। छात्रों ने एकता की भावना के साथ इस दिन को मनाने में गर्व महसूस किया। सभा की शुरुआत मधुर गायन मंडली द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ हुई। हमारे संविधान निर्माताओं, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, सरोजिनी नायडू, मौलाना आज़ाद और अन्य को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने भारत को अपनी संप्रभु, लोकतांत्रिक स्थिति दिलाने के लिए अथक प्रयास किया। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श, जो राज्य की प्रकृति को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य सुनिश्चित करते हैं, पर प्रकाश डाला गया। भारतीय संगीत गायक दल के छात्रों ने एक ऊर्जावान और उत्साहपूर्ण प्रदर्शन करते हुए 'वंते मातरम' गाया। छात्रों द्वारा गणतंत्र दिवस के महत्व पर एक कविता और संस्कृत गीत प्रस्तुत किया गया। छात्रों द्वारा नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया गया। छात्रों के सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कला रूपों, रेखाचित्रों, चित्रों और पोस्टरों ने हमारी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। इस उत्सव से बच्चों और शिक्षकों में समान रूप से कई भावनाएँ उत्पन्न हुईं; देश के प्रति गौरव, प्रेम और सम्मान. उन्होंने "सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा" की भावना का जश्न मनाया।

यह समारोह स्कूल स्टाफ, छात्रों और अभिभावकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिससे एक यादगार और उत्सवपूर्ण माहौल बन गया।

प्रिंसिपल सुश्री मीनू कंवर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद मातृभूमि को श्रद्धांजलि देने के लिए राष्ट्रगान गाया। मैडम ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और उनसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और हमेशा भारतीय होने पर गर्व महसूस करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को नागरिक के रूप में उनके कर्तव्यों, कानूनों और संविधान के महत्व की याद दिलाई। उन्होंने आजादी के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में देश की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

छात्र स्कूल में बिताए गए अच्छे दिन की सुखद यादें घर ले गए, जहां उन्होंने तिरंगे बैज, फेस पेंट, कलाई बैंड पहने और देशभक्ति के उत्साह में डूबे हुए थे।

सत्र 2023-24 के लिए बारहवीं कक्षा के लिए प्रशस्ति पत्र समारोह

2 फरवरी, 2024 ,एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार

आदरणीय चेयरपर्सन डॉ. श्रीमती अमिता चौहान मैम के आशीर्वाद से, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, मयूर विहार ने बारहवीं कक्षा के निवर्तमान छात्रों को शुभकामनाएँ देने और आशीर्वाद देने के लिए 2 फरवरी 2024 को प्रशस्ति पत्र समारोह का आयोजन किया। समारोह में सम्मानित अध्यक्ष, डॉ. श्रीमती अमिता चौहान महोदया, निदेशक, अभिभावक, शिक्षक और अभिभावक उपस्थित थे। शुभ हवन के बाद, सर्वशक्तिमान के आशीर्वाद का आह्वान करने के लिए गायत्री मंत्र के जाप के बीच 'दीप प्रज्ज्वलन' के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। दर्शकों की जोरदार तालियों के बीच, कक्षा शिक्षकों ने अपने छात्रों का प्रशस्ति पत्र पढ़ा, उनके मेधावी प्रदर्शन का उल्लेख किया और उनके व्यक्तित्व गुणों और प्रिय गुणों पर प्रकाश डाला।

वर्तमान हेड गर्ल, हेड बॉय और द ग्लोबल टाइम्स के प्रधान संपादक ने उन्हें इतने स्नेह और देखभाल के साथ पालने के लिए अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। अभिभावकों ने भी छात्रों को सौहार्दपूर्ण माहौल और ढेर सारे अवसर प्रदान करने के लिए चेयरपर्सन महोदया को धन्यवाद दिया। छात्रों को अपने प्रेरक संबोधन में, माननीय अध्यक्ष महोदया ने स्कूल के दिनों में उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए उनकी सराहना की और उनसे एमिटी में सिखाए गए मूल्यों को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने BHAAG के महत्व को दोहराया।

प्रिंसिपल, सुश्री मीनू कंवर मैम ने अपने संबोधन में स्कूल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और छात्रों को उनके रास्ते में आने वाले अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अंत में, निवर्तमान बैच के नम आंखों वाले छात्रों को सम्मानित अध्यक्ष, उनके माता-पिता और शिक्षकों से पंखुड़ियों की वर्षा और सबसे अच्छा आशीर्वाद मिला। सम्मानित सभा ने उनके भविष्य के प्रयासों की सफलता की कामना की। समारोह का समापन शिक्षा और मूल्यों के प्रतीक स्कूल गीत के साथ हुआ।